Series RSH/1/C

कोड नं. **4/1/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 16 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

गत कुछ वर्षों में जिस तरह मोबाइल फ़ोन-उपभोक्ताओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, उसी अनुपात में सेवाप्रदाता कंपनियों ने जगह-जगह टावर खड़े कर दिए हैं । इसमें यह भी ध्यान नहीं रखा गया कि जिन रिहाइशी इलाकों में टावर लगाए जा रहे हैं, वहाँ रहने वालों और दूसरे जीवों के स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ेगा । मोबाइल टावरों से होने वाले विकिरण से मनुष्य और पशु-पक्षियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के मद्देनज़र विभिन्न-अदालतों में याचिकाएँ
1 दायर की गई हैं । शायद यही वजह है कि सरकार को इस दिशा में पहल करनी पड़ी । केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार टावर लगाने वाली कंपनियों को अपने मौजूदा रेडियो फ्रिक्वेंसी क्षेत्र में दस फीसदी की कटौती करनी होगी ।

मोबाइल टावरों के विकिरण से होने वाली कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का मुद्दा देश भर में लोगों की चिंता का कारण बना हुआ है । पिछले कुछ महीनों में आम नागरिकों और आवासीय कल्याण-संगठनों ने न सिर्फ़ रिहाइशी इलाक़ों में नए टावर लगाने का विरोध किया, बल्कि मौजूदा टावरों पर भी सवाल उठाए हैं । अब तक कई अध्ययनों में ऐसी आशंकाएँ व्यक्त की जा चुकी हैं कि मोबाइल टावरों से निकलने वाली रेडियो तरंगें न केवल पशु-पक्षियों, बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए भी कई रूपों में हानिकारक सिद्ध हो सकती हैं । पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ओर से कराए एक अध्ययन की रिपार्ट में तथ्य सामने आए कि गौरैयों और मधुमक्खियों की तेजी से घटती संख्या के लिए बड़े पैमाने पर लगाए जा रहे मोबाइल टावरों से निकलने वाली विद्युत्-चुंबकीय तरंगें कारण हैं । इन पर हुए अध्ययनों में पाया गया है कि मोबाइल टावर के पाँच सौ मीटर की सीमा में रहने वाले लोग अनिद्रा, सिरदर्द, थकान, शारीरिक कमज़ोरी और त्वचा-रोगों से ग्रस्त हो जाते हैं, जबकि कुछ लोगों में चिड़चिड़ापन और घबराहट बढ़ जाती है । फिर मोबाइल टावरों की रेडियो फ्रिक्वेंसी तरंगों को मनुष्य के लिए पूरी तरह सुरक्षित मान लेने का क्या आधार हो सकता है ? टावर लगाते समय मोबाइल कंपनियाँ तमाम नियम-क़ायदों को ताक पर रखने से नहीं हिचकतीं । इसलिए चुंबकीय तरंगों में कमी लाने के साथ-साथ, टावर लगाते समय नियमों की अनदेखी पर नकेल कसने की आवश्यकता है ।

(i) मोबाइल फ़ोन-उपभोक्ताओं की बढ़ोतरी का क्या परिणाम हुआ ?

(क) अब अकसर फ़ोन व्यस्त मिलते हैं

(ख) जीवों की सेहत पर ध्यान नहीं दिया गया है

(ग) जगह-जगह मोबाइल टावर लग गए हैं

(घ) मोबाइल फ़ोनों का कचरा बढ़ गया है

(ii) टावरों के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए क्या क़दम उठाए गए ?

(क) न्यायालय के दरवाज़े खटखटाए गए

(ख) लोगों ने अपने घर बदल लिए

(ग) पालतू पक्षी जंगलों में छोड़ दिए गए

(घ) सरकारी आदेश का पालन होने लगा

(iii) लोगों की चिंता का विषय है

(क) मोबाइल फ़ोनों की बढ़ती संख्या

(ख) टावरों के विकिरण से होने वाली गंभीर बीमारियाँ

(ग) कंपनियों द्वारा दिशा-निर्देशों की उपेक्षा

(घ) टावरों के विकिरण के प्रति अज्ञान

(iv) रिहाइशी इलाकों में टावर लगाने का विरोध होने का कारण था

(क) मीडिया द्वारा प्रचार-प्रसार

(ख) सभी घरों में लोगों की बीमारियाँ

(ग) आवासीय कल्याण-संगठनों की चेतावनी

(घ) प्रतिकूल प्रभावों के प्रति लोगों की जागरूकता

(v) पर्यावरण-मंत्रालय के अध्ययन से क्या तथ्य उभर कर आए ?

(क) शारीरिक और मानसिक कमज़ोरी के लिए रेडियो-तरंगें ज़िम्मेदार

(ख) मोबाइल टावरों की रेडियो तरंगें हानिकारक नहीं

(ग) मोबाइल फ़ोन की अनिवार्यता

(घ) टावर लगाने वाली कंपनियों द्वारा नियमों की अनदेखी

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

धरती का स्वर्ग श्रीनगर का 'अस्तित्व' डल झील मर रही है । यह झील इंसानों के साथ-साथ जलचरों, परिंदों का घरौंदा हुआ करती थी । झील से हज़ारों हाथों को काम और लाखों को रोटी मिलती थी । अपने जीवन की थकान, मायूसी और एकाकीपन को दूर करने, देश-विदेश के लोग इसे देखने आते थे ।

यह झील केवल पानी का एक स्रोत नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की जीवन-रेखा है, मगर विडंबना है कि स्थानीय लोग इसको लेकर बहुत उदासीन हैं ।

समुद्र-तल से पंद्रह सौ मीटर की ऊँचाई पर स्थित डल एक प्राकृतिक झील है और कोई पचास हज़ार साल पुरानी है । श्रीनगर शहर के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिशा में स्थित यह जल-निधि पहाड़ों के बीच विकसित हुई थी । सरकारी रिकार्ड गवाह है कि 1200 में इस झील का फैलाव पचहत्तर वर्ग किलोमीटर में था । 1847 में इसका क्षेत्रफल अड़तालीस वर्ग किमी आँका गया । 1983 में हुए माप-जोख में यह महज साढ़े दस वर्ग किमी रह गई । अब इसमें जल का फैलाव आठ वर्ग किमी रह गया है ।

इन दिनों सारी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग का शोर है और लोग बेख़बर हैं कि इसकी मार इस झील पर भी पड़ने वाली है । इसका सिकुड़ना इसी तरह जारी रहा तो इसका अस्तित्व केवल तीन सौ पचास साल रह सकता है ।

इसके पानी के बड़े हिस्से पर अब हरियाली है । झील में हो रही खेती और तैरते बगीचे इसे जहरीला बना रहे हैं । साग-सब्ज़ियों में अंधाधुंध रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाएँ डाली जा रही हैं, जिससे एक तो पानी दूषित हो गया, साथ ही झील में रहने वाले जलचरों की कई प्रजातियाँ समूल नष्ट हो गईं ।

आज इसका प्रदूषण उस स्तर तक पहुँच गया है कि कुछ वर्षों में ढूँढ़ने पर भी इसका समाधान नहीं मिलेगा । इस झील के बिना श्रीनगर की पहचान की कल्पना भी नहीं की जा सकती । यह भी तय है कि आम लोगों को झील के बारे में संवेदनशील और भागीदार बनाए बग़ैर इसे बचाने की कोई भी योजना सार्थक नहीं हो सकती है ।

(i) डल झील स्थानीय लोगों की जीवन-रेखा है क्योंकि

(क) यह पर्यटकों का आकर्षण-केन्द्र है

(ख) झील से लाखों लोगों का जीवन-यापन चलता है

(ग) शहर के बीचोंबीच है

(घ) यह एक प्राकृतिक झील है

(ii) आजादी के सौ साल पहले झील का फैलाव था

(क) अड़तीस वर्ग किमी

(ख) पचहत्तर वर्ग किमी

(ग) आठ वर्ग किमी

(घ) अड़तालीस वर्ग किमी

(iii) लेखक को क्या आशंका है ?

(क) डल का अस्तित्व खतरे में है

(ख) झील का फैलाव बहुत कम रह गया है

(ग) यहाँ घरों का चूल्हा नहीं जलेगा

(घ) यहाँ सैलानी नहीं आएँगे

(iv) झील की खेती और तैरते बगीचे इसे जहरीला कैसे बना रहे हैं ?

(क) जलचरों की कई प्रजातियों के नष्ट होने से

(ख) कीट-पतंगों की संख्या में वृद्धि से

(ग) साग-सब्ज़ियों पर रासायनिक खाद और दवाओं के प्रयोग से

(घ) मेंढकों और साँपों के बढ़ जाने से

(v) झील को किस प्रकार बचाया जा सकता है ?

(क) इसकी महत्ता के प्रति जनता को संवेदनशील बनाकर

(ख) इसके विषय में प्रचार-प्रसार करके

(ग) श्रीनगर की पहचान को महत्त्व देकर

(घ) ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा करके

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

पर्वतों को काटकर सड़कें बना देते हैं वे,
सैकड़ों मरुभूमि में नदियाँ बहा देते हैं वे,
गर्भ में जलराशि के बेड़ा चला देते हैं वे,
जंगलों में भी महा-मंगल रचा देते हैं वे ।
भेद नभ-तल का उन्होंने ही बहुत बतला दिया,
है उन्होंने ही निकाली तार की सारी क्रिया ।।
सब तरह से आज जितने देश हैं फूले-फले,
बुद्धि, विद्या, धन, विभव के हैं जहाँ डेरे डले ।
वे बनाने से उन्हीं के बन गए इतने भले,
वे सभी हैं हाथ से ऐसे सपूतों के पले ।
लोग जब ऐसे, समय पाकर जनम लेंगे कभी,
देश की औ' जाति की होगी भलाई भी तभी ।।

(i) काव्यांश में किनकी प्रशंसा की गई है ?
(क) समृद्ध देशों की
(ख) कर्मवीरों की
(ग) भारतवासियों की
(घ) महापुरुषों की

(ii) 'पर्वतों को काटकर सड़कें बनाना' द्योतक है
(क) निर्माण की आधुनिक तकनीक के प्रयोग का
(ख) सिद्ध पुरुष होने का
(ग) परिश्रमी होने का
(घ) विचारशील होने का

(iii) कवि के मन में संपन्न देशों की सफलता का कारण है वहाँ के निवासियों का
(क) धनी होना
(ख) कर्मशील होना
(ग) बुद्धिमान् होना
(घ) बुद्धिमान् व धनी होना

(iv) देश और जाति का हित तभी होगा, जब

(क) परोपकारी जन्म लेंगे

(ख) बुद्धिमान् जन्म लेंगे

(ग) परिश्रमी व्यक्ति जन्म लेंगे

(घ) महापुरुष जन्म लेंगे

(v) काव्यांश का उपयुक्त संदेश है

(क) देश और जाति का हित

(ख) भारतवासियों की महानता

(ग) कर्मशीलों की प्रशंसा

(घ) समृद्ध देशों की गाथा

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

आज तक मैं यह समझ नहीं पाया
कि हर साल बाढ़ में पड़ने के बाद भी
लोग दियारा छोड़कर कोई दूसरी जगह क्यों नहीं जाते ?
समुद्र में आता है तूफ़ान
तटवर्ती सारी बस्तियों को पोंछता
वापस लौट जाता है
और दूसरे ही दिन तट पर फिर
बस जाते हैं गाँव –
क्यों नहीं चले जाते ये लोग कहीं और ?
हर साल पड़ता है सूखा
हरियरी की खोज में चलते हुए गौवों के खुर
धरती की फाँट में फँस-फँस जाते हैं
फिर भी कौन इंतज़ार में आदमी
बैठा रहता है द्वार पर,

कल भी आएगी बाढ़
कल भी आएगा तूफ़ान
कल भी पड़ेगा अकाल
आज तक मैं समझ नहीं पाया
कि जब वृक्ष पर एक भी पत्ता नहीं होता
झड़ चुके होते हैं सारे पत्ते
तो सूर्य डूबते-डूबते
बहुत दूर से चीत्कार करता
पंख पटकता
लौटता है पक्षियों का एक दल
उसी ठूँठ वृक्ष के घोंसलों में
क्यों ? आज तक मैं समझ नहीं पाया ।

(i) कवि क्या नहीं समझ पाया ?

(क) बाढ़-अकाल बार-बार क्यों आते हैं ?

(ख) बाढ़-तूफ़ान में भी कोई अपना घर क्यों नहीं छोड़ता ?

(ग) सब लोग किसकी प्रतीक्षा करते हैं ?

(घ) तूफ़ान-अकाल को अपनी नियति क्यों मानते हैं ?

(ii) तूफ़ान के बाद गाँव की स्थिति कैसी हो जाती है ?

(क) किनारे पर बसे घर पानी में बह जाते हैं ।

(ख) अगले ही दिन, गाँव बस जाते हैं ।

(ग) पूरा गाँव कहीं और चला जाता है ।

(घ) गाँव में बीमारियाँ फैल जाती हैं ।

(iii) 'हरियरी' का तात्पर्य है

(क) तूफ़ान

(ख) घनघोर वर्षा

(ग) हरियाली

(घ) शांति

(iv) 'फिर भी कौन इंतज़ार में आदमी बैठा रहता है द्वार पर' का भाव है

(क) उसे उम्मीद है कि कोई न कोई आकर मदद करेगा ।

(ख) उसे आशा है कि सरकारी मदद आ ही जाएगी ।

(ग) उसे अपने भाग्य पर अटूट विश्वास है ।

(घ) विपदाओं में भी मनुष्य अपनी जन्मभूमि नहीं छोड़ता है ।

(v) पक्षी पंख पटकते, चीत्कार करते लौटते हैं क्योंकि

(क) उन्हें लौटने में देर हो गई थी ।

(ख) ठूँठ वृक्ष पर लौटना उनकी मजबूरी थी ।

(ग) उनके मन में बहेलिये का डर समाया था ।

(घ) उनका घर भी बाढ़-ग्रस्त इलाक़े में था ।

खण्ड ख

5. (क) निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार लिखिए : *1×2=2*

(i) हमारे बगीचे का आम का पेड़ इस बार खूब फला ।

(ii) वह हमारे यहाँ अकसर आ जाया करता है ।

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : *1×3=3*

वे चंद्रताल से सुबह ही लौटे ।

6. (क) रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए : *1*

प्रीति ने कहा कि उसे भी आगे पढ़ना है ।

(ख) निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए : *1×2=2*

(i) मेरा खोया हुआ पेन मिल गया । (मिश्र वाक्य में)

(ii) कौवे के गिलहरी को धर दबोचने पर भी महादेवी ने उसे बचा लिया । (संयुक्त वाक्य में)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : *1×3=3*

(i) मैंने माँ के चरणों के लिए सिर झुका दिया ।

(ii) हमें भूकंप पीड़ितों के लिए योगदान का दान देना चाहिए ।

(iii) मुझे पैसे वापिस चाहिएँ ।

7. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : *1×2=2*

पुरुषार्थ, स्वेच्छा

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : $\frac{1}{2}$*×2=1*

यथा + आदेश, स + आनंद

8. (क) समास-विग्रह कर समास का नाम लिखिए : *1*

महात्मा

(ख) समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए : *1*

हवन के लिए सामग्री

9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : *1×4=4*

(i) बर्दाश्त करना

(ii) सिर पर नंगी तलवार लटकना

(iii) हिम्मत टूटना

(iv) जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना

10. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

मधुर-मधुर मेरे दीपक जल !
युग युग प्रतिदिन प्रतिक्षण प्रतिपल,
प्रियतम का पथ आलोकित कर !
सौरभ फैला विपुल धूप बन,
मृदुल मोम-सा घुल रे मृदु तन;
दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल-गल !
पुलक-पुलक मेरे दीपक जल !

(i) दीपक किसका प्रतीक है ?
- (क) सूर्य का
- (ख) अग्नि का
- (ग) चंद्र का
- (घ) आस्था-रूपी दीपक का

(ii) 'मृदुल मोम-सा' – पंक्ति का क्या अर्थ है ?
- (क) कठोर मोम की तरह
- (ख) कोमल मोम की तरह
- (ग) जमे हुए मोम की तरह
- (घ) कोमल भावनाओं की तरह

(iii) 'सौरभ फैला विपुल धूप बन' – का आशय है
- (क) सूर्योदय होते ही वनस्पतियों से वातावरण का सुगन्धित होना
- (ख) सूर्योदय के साथ धूप का फैल जाना
- (ग) फूलों के विकसित होते ही सौरभ का फैलना
- (घ) मनमोहक सुगंधित फूलों का खिलना

(iv) 'दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित' का भाव है

(क) सागर जितना अपार प्रकाश सबको मिल जाए

(ख) जीवन के लिए कष्टदायक अहंकार गल जाए

(ग) दूसरों को भरपूर प्रकाश मिल जाए

(घ) संसार में सब ओर रोशनी फैल जाए

(v) दीपक के पुलक-पुलक जलने का क्या अर्थ है ?

(क) प्रसन्न होकर

(ख) हँस-हँसकर

(ग) उछल-उछलकर

(घ) पराजित होकर

अथवा

कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ ।

जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ ।।

(i) कौन-कौन-से जीव परस्पर शत्रु माने जाते हैं ?

(क) साँप-मोर, हिरन-शेर

(ख) सर्प-मगर, मृग-बाघ

(ग) तीतर-बटेर, शेर-भैंस

(घ) गाय-मोर, मृग-बाघ

(ii) सभी जानवर एक साथ मिलकर क्यों रहने लगे हैं ?

(क) अत्यधिक गरमी के कारण

(ख) पानी न मिलने के कारण

(ग) थक जाने के कारण

(घ) ऋतुओं में परिवर्तन के कारण

(iii) दोहा किस भाषा में लिखा गया है ?

(क) अवधी

(ख) मैथिली

(ग) भोजपुरी

(घ) ब्रज

(iv) जंगल तपोवन कैसे बन गया है ?

(क) शत्रुता रखने वाले जानवरों के एक साथ रहने के कारण

(ख) ऋषि-मुनियों के अत्यधिक आश्रमों के कारण

(ग) जंगली जानवरों के न बचने के कारण

(घ) जंगल में अनेक तपस्वियों के रहने के कारण

(v) इस दोहे का भाव हो सकता है

(क) ऋतु बदल जाने से जंगल तपोवन बन जाता है

(ख) मुसीबत के समय शत्रु भी मित्र हो जाते हैं

(ग) जानवरों का स्वभाव बदल जाता है

(घ) स्थितियाँ कैसी भी हों, जीना तो पड़ता ही है

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : *3×2=6*

(क) यदि समर्थ व्यक्ति ही पक्षपात और अन्याय करेंगे तो आम आदमी को न्याय कहाँ मिलेगा ? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है । मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है । उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ ।' इन पंक्तियों में छिपी हुई उनकी भावना को 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) जापानियों को झेन परंपरा की सबसे बड़ी कौन-सी देन मिली है ?

12. वज़ीर अली जैसे जाँबाज़ों के कारण ही आज हम आज़ाद हैं – इस कथन पर अपने विचार लिखिए । 5

अथवा

क्या मनुष्य ही प्रकृति के विनाश का कारण बनता जा रहा है ? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए ।

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ओचुमेलॉव मुड़ा और भीड़ की तरफ़ चल दिया । उसने काठगोदाम के पास बटन विहीन वास्केट धारण किए हुए उस आदमी को देखा, जो अपना दायाँ हाथ उठाए वहाँ मौजूद था तथा उपस्थित लोगों को अपनी लहूलुहान उँगली दिखा रहा था । उसके नशीले-से हो आए चेहरे पर साफ़ लिखा दिख रहा था – "शैतान की औलाद ! मैं तुझे छोड़ने वाला नहीं ! और उसकी उँगली भी जीत के झंडे की तरह गड़ी दिखाई दे रही थी । ओचुमेलॉव ने इस व्यक्ति को पहचान लिया । वह ख्यूक्रिन नामक सुनार था और इस भीड़ के बीचोंबीच, अपनी अगली टाँगें पसारे, नुकीले मुँह और पीठ पर फैले पीले दागवाला, अपराधी-सा नज़र आता, सफ़ेद बारज़ोई पिल्ला, ऊपर से नीचे तक काँपता पसरा पड़ा था । उसकी आँसुओं से सनी आँखों में संकट और आतंक की गहरी छाप थी ।

(क) ओचुमेलॉव कौन था और वह क्यों मुड़ा ? 2

(ख) कुत्ते की क्या अवस्था थी ? क्यों ? 2

(ग) ओचुमेलॉव ने क्या देखा ? 1

अथवा

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं । चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं । तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं । पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता, बल्कि व्यावहारिकता का होता है । और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है

तब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझ-बूझ ही आगे आने लगती है ।

(क) आदर्श और व्यावहारिकता की तुलना किससे और क्यों की गई है ? *2*

(ख) क्या बात नहीं भूलनी चाहिए ? क्यों ? *2*

(ग) 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' कौन होते हैं ? *1*

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर लिखिए : *3×3=9*

(क) कवि मैथिलीशरण गुप्त ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है ?

(ख) 'कर चले हम फ़िदा' गीत की रचना किस पृष्ठभूमि पर हुई ?

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कवि की प्रार्थना अन्य प्रार्थनाओं से अलग कैसे है ?

(घ) 'विश्व-शलभ' से क्या तात्पर्य है ? यह क्यों पछता रहा है ?

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) इफ़्फ़न की दादी के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए ।

(ख) 'रिश्तों की बुनियाद प्रेम है ।' – टोपी शुक्ला से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) आपको किस विषय के कौन-से अध्यापक पसंद है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए ।

16. 'टोपी शुक्ला' पाठ से उभरने वाले किन्हीं चार जीवन-मूल्यों पर टिप्पणी कीजिए । *4*

खण्ड घ

17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) जननी और जन्मभूमि

- जन्मभूमि माँ के समान
- जन्मभूमि से प्राप्त होने वाले सुख
- जन्मभूमि के प्रति कर्तव्य

(ख) सत्संगति

- सत्संगति का अर्थ
- सत्संगति का प्रभाव
- सत्संगति के लाभ

(ग) पुरुषार्थ

- पुरुषार्थ क्या है ?
- सभी सुखों की सीढ़ी
- पुरुषार्थ ही भाग्योदय का कारण

18. आपके मोहल्ले में सड़क पर बहुत गड्ढ़े हो गए हैं जिनके कारण लोगों को होने वाली असुविधाओं की जानकारी देते हुए उनके निराकरण के लिए नगर-निगम अधिकारी को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

सहायक अध्यापक के पद के लिए शिक्षा-निदेशक के नाम आवेदन-पत्र लिखिए ।